वैदिकगायत्रीमंत्रा:

गणेशगायत्री :-

तत्पुरुषाय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहि। तन्नो दन्ति: प्रचोदयात्। अथवा
एकदन्ताय विद्महे वक्रतुण्डाय धीमहि। तन्नो दन्ती प्रचोदयात्।१।

रुद्रगायत्री :-

पुरुषस्य विद्महे सहस्राक्षस्य महादेवस्य धीमहि। तन्नो रुद्र: प्रचोदयात्। अथवा
तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि। तन्नो रुद्र: प्रचोदयात्।२।

नन्दिगायत्री :- तत्पुरुषाय विद्महे चक्रतुण्डाय धीमहि। तन्नो नन्दि: प्रचोदयात्।३।

कार्तिकेयगायत्री :- तत्पुरुषाय विद्महे महासेनाय धीमहि। तन्न: षण्मुख: प्रचोदयात्।४।

सवित्री गायत्री :- ऊँ भू: ऊँ भुव: ऊँ सुव: ऊँ मह: ऊँ जन: ऊँ तप: ऊँ सत्यम्।
ऊँ तत्सवितुर्वरेण्यं । भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो न: प्रचोदयात्।
ओमापो ज्योती रसोऽमृतं ब्रह्म भूर्भुव:स्वरांम्।५।

सूर्यगायत्री :-

आदित्याय विद्महे सहस्रकिरणाय धीमहि। तन्न: सूर्य: प्रचोदयात्। अथवा
भास्कराय विद्महे महद्द्युतिकराय धीमहि। तन्न आदित्य: प्रचोदयात्।६।

लक्ष्मीगायत्री :-

महालक्ष्मीश्च विद्महे सर्वसिद्धिश्च धीमहि। तन्नो देवी प्रचोदयात्। अथवा
ओंभूर्लक्ष्मी भुवर्लक्ष्मी: स्वर्लक्ष्मी: कालकर्णी तन्नो महालक्ष्मी: प्रचोदयात्।७।

विष्णुगायत्री :- नारायणाय विद्महे वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु: प्रचोदयात्।८।

गरुडगायत्री :- तत्पुरुषाय विद्महे सुवर्णपक्षाय धीमहि। तन्न: गरुड: प्रचोदयात्।९।

नरसिंहगायत्री :-

वज्रनखाय विद्महे तीक्ष्णदंष्ट्राय धीमहि। तन्नो नरसिंह: प्रचोदयात्। अथवा
नृसिंहाय विद्महे वज्रनखाय धीमहि। तन्न: सिंह: प्रचोदयात्।१०।

ब्रह्मगायत्री :- वेदात्मनाय विद्महे हिरण्यगर्भाय धीमहि। तन्नो ब्रह्म प्रचोदयात्।११।

अग्निगायत्री :- वैश्वानराय विद्महे लालीलाय धीमहि। तन्नो अग्नि: प्रचोदयात्।१२।

दुर्गागायत्री :- कात्यायनाय विद्महे कन्याकुमारि धीमहि। तन्नो दुर्गि: प्रचोदयात्।१३।

Created by demo-version of Universal Document Converter. Full version doesn't add this stamp.
WWW.PRINT-DRIVER.COM